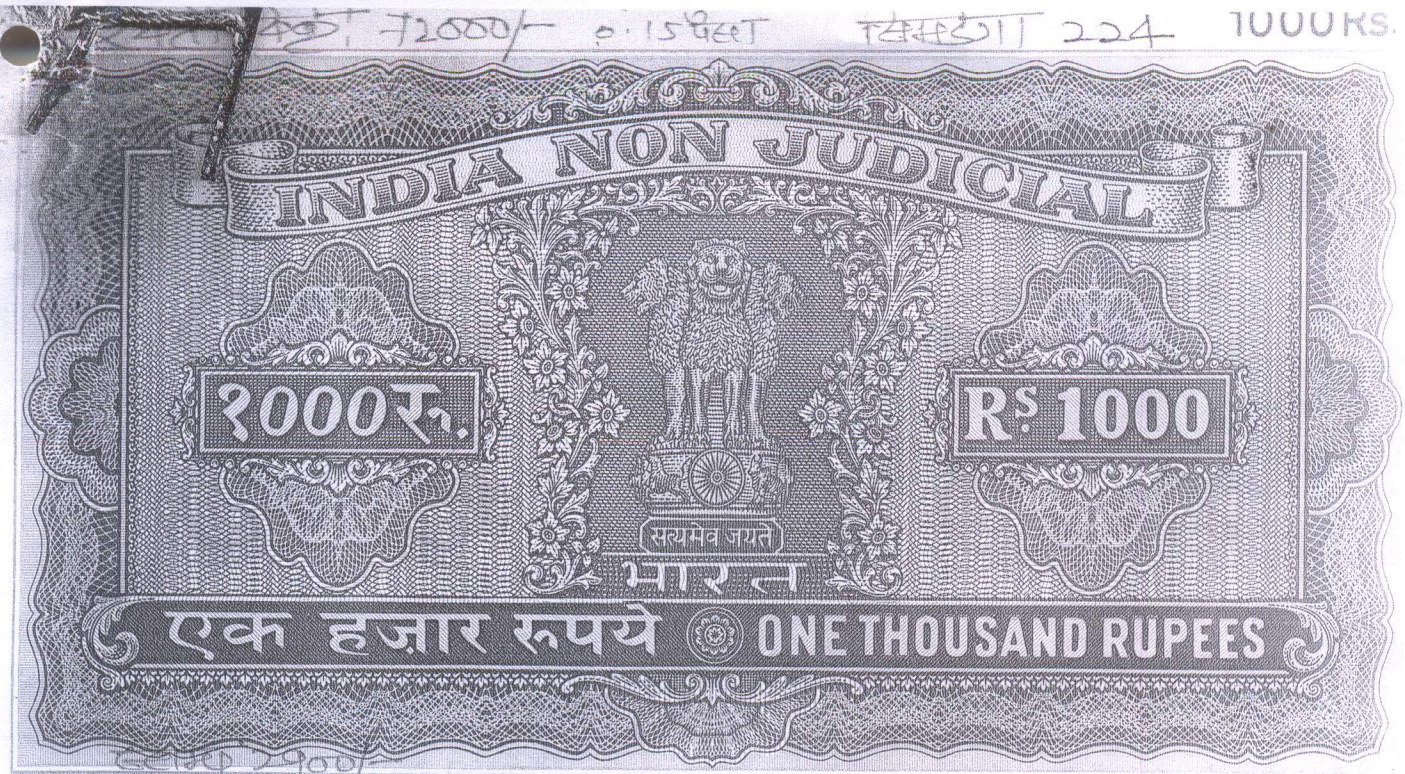

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

1. लेख्यकारी :– श्री मोहम्मद सलीम, वल्द मरहुम अब्दुल गनी, जाति – मुसलमान, उपजाति – कलाल, पेशा – व्यापार, निवास गांव – सिमडेगा खैरनटोली, पोस्ट – सिमडेगा, थाना – सिमडेगा, जिला – सिमडेगा (झारखण्ड) हाल मोकाम – राजगांगपुर तालकीपारा, पोस्ट+थाना – राजगांगपुर, जिला – सुन्दरगढ़ (उड़ीसा)।

.... बिक्रेता

श0प0सं0 ....80/05..........

2. लेख्यधारी :– श्री मो0 मोदब्बीर हुसैन, वल्द – श्री अताउल हुसैन रिजवी, जाति – मुसलमान, उपजाति – कलाल, पेशा – कारोबार, निवास गांव – सिमडेगा ईदगाह मुहल्ला, पोस्ट – सिमडेगा, थाना – सिमडेगा, जिला – सिमडेगा (झारखण्ड) भारतीय नागरिक।

.... क्रेता

श0प0सं0 ....81/05..........

3. लेख्य प्रकार :– बिक्रय–पत्र केवाला बैलाकलामी आल–औलाद वो जन–फरजन्द के लिए हमेशा के वास्ते होता है।

4. मूल्य :– मोबलीक बहत्तर हजार रुपये अंके 72,000/– रुपये जिसका आधा मोबलिक छत्तीस हजार रुपये अंके 36,000/– रुपये होता है।

5. सम्पति :– एराजियत 0.04 एकड़ (चार डिसमील) हकियत कायमी रैयती खरीदगी जमीन है, जिसे मैंने पट्टा नं0 756/742 दिनांक 16.10.1984 के द्वारा हासिल किया हूँ। हासिल करने के बाद मैनें अंचल पदाधिकारी सिमडेगा के न्यायालय से दाखिल खारिज कराया हूँ। दाखिल खारिज वाद संख्या 148 आर 27/1990–91 है, जिसकी स्वीकृति दिनांक 12.11.1990 को हुई है। दाखिल खारिज कराने के बाद मैं बिहार एवं झारखंड सरकार को साल–ब–साल माल अदाय कर अपने नाम से सरकारी

मालगुजारी रसीद हासिल करते आया हूँ जिस में से मैं बेच रहा हूँ।

उपरोक्त बिक्रीत प्लॉट पर मैं निर्विरोध शान्तिपूर्वक दखलकार चला आ रहा हूँ। जिसमें मेरे अन्य भैयादों का कोई हक–सरोकार नहीं है। जिस पर मेरा पूर्ण स्वामित्व है। जो वाके मौजा सिमडेगा ईदगाह मोहल्ला थाना सिमडेगा थाना नं0 116 (एक सौ सोलह) जिला सिमडेगा (झारखण्ड) सब डिवीजन वो सब रजिस्ट्री ऑफिस सिमडेगा वो सदर रजिस्ट्री ऑफिस सिमडेगा के खेवट नं0 2 (दो) खाता नं0 170 (एक सौ सत्तर) प्लॉट नं0 1095 (एक हजार पंचानबे) के कुल रकबा 0.46 एकड़ (छियालिस डिसमील) में से 0.04 एकड़ (चार डिसमील) जानिब उतरी हिस्सा नाम जमीन पेठियाटांड़, टांड़ नं0।। को बेच रहा हूँ। जो आवासीय जमीन है जो मौजा सिमडेगा ईदगाह महल्ला में अवस्थित है। जिसका सालाने मालगुजारी 15 पैसा (पन्द्रह पैसा) अलावे शेष है।

मौजा सिमडेगा के खाता नं0 170 के प्लॉट नं0 1095 रकबा 0.04 एकड़ जमीन की चौहदी निम्न है :–

उत्तर :– मकान अताउल हुसैन रिजवी।

दक्षिण :– इसी प्लॉट का अंश।

पूरब :– इसी प्लॉट का अंश।

पश्चिम :– मेन रोड एन.एच. 23।

1) चूंकि मुझे बेटी की शादी करना बहुत जरुरी है और इस समय इस काम के लिए रुपये मिलने का अन्य कोई उपाय जमीन बेचने सिवाय दुसरा नहीं है। इसलिए मैंने क्रेता मो0 मोदब्बीर हुसैन, वल्द श्री अताउल हुसैन रिजवी से मेरी नीज खरीदगी जमीन को खरीदने वो रुपये देने को कहा और तब लेख्यधारी ने रुपये देना वो जमीन केवाला रजिस्ट्री द्वारा लेना सहर्ष स्वीकार किया।

2) इसलिए मैं अपनी इच्छा से मन और शरीर की स्वस्थ्यता में रहकर बिना किसी के बहकाये उपर खाना संख्या 5 (पांच)

में वर्णित जमीन को उक्त लेख्यधारी मो0 मोदब्बीर हुसैन के हाथ से मोबलिक बहत्तर हजार रुपये अंके 72000/– रुपये जमीन का कीमत नगद चुकती और वसुली पाकर बेचा और उक्त जमीन का सब अधिकार वो हक–हकूक उक्त लेख्यधारी मो0 मोदब्बीर हुसैन को हस्तान्तरित कर दिया। अब से उक्त बिक्रीत जमीन पर मेरा कोई अधिकार न रहा और न मेरे किसी भैयाद या उत्तराधिकारी या हस्तानापन्न का।

3) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि उक्त बिक्रीत जमीन पर मेरा निर्विवाद हक वो दखल कब्जा है और उसपर किसी प्रकार का भार वो झंझट नहीं है और उक्त जमीन पर मेरे अन्य भैयादों एवं अन्य रिश्तेदारों का कोई हक–सरोकार नहीं है एवं उक्त बिक्रीत जमीन पर मेरा पूर्ण स्वामित्व है। चाहिए कि लेख्यधारी उक्त बिक्रीत जमीन पर काबीज वो दखलकार होकर मकान कुआँ बाड़ी बनावें वो जैसा चाहे अपने इस्तेमाल में लावे वो परम सुखभोग तस्सर्रुफ किया करे वो जमीन्दार झारखण्ड सरकार बजरिये सर्किल ऑफिसर मोकाम सिमडेगा के सिरिस्ते अपने नाम दाखिल खारिज करावे वो मालगुजारी अदाय कर खास

रसीद अपने नाम से लिया करे।

इसलिए विक्रय–पत्र केवाला बैला कलामी आल–औलाद वो जन–फरजन्द तक के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे। मोकिर के कहने पर विक्रय–पत्र केवाला बैला कलामी, आल–औलाद वो जन–फरजन्द तक के लिए प्रारुप बनाया वो कुल मजमून को मोकिर तथा मोकिर अलेह एवं उपस्थित गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया वो स्वयं पढ़कर सुन वो समझ लिये और बोले ठीक है और इस दस्तावेज के हर एक पन्ने पर अपना हस्ताक्षर वो अंगुठे का निशान बना दिया की वक्त पर काम आवे।

प्रारुपकर्त्ता : Shamim Akhtar Adv. 29.03.05
शमीम अख्तर, अधिवक्ता
सिमडेगा कोर्ट, सिमडेगा

लेख्यकारी : मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त बिक्रीत जमीन वो अन्य बचत जमीन भू–हदबन्दी सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है, और न ही भू–हदबन्दी सीमा सम्बन्धी

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

7

कोई मुकदमा ही हुआ है।

सहो मो० सलीम 29-03-05

सही लेख्यकारी

लेख्यधारी : मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त खरीदगी जमीन वो पूर्व में धारित जमीन भू–हदबन्दी सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है और न ही भू–हदबन्दी सीमा सम्बन्धी कोई मुकदमा ही हुआ है।

मो० मोदब्बीर हुसैन 29-03-05

सही लेख्यधारी

प्रमाणित किया जाता है कि इस 7 पेज के दस्तावेज में कुल 785 शब्द टंकित है जो खण्डन रहित एवं नकशा सहित है।

Amit kumar 29/03/05

टंकक

प्रदीप कम्यूनिकेशन,

मार्केट कॉम्पलेक्स दु0 नं0 190,

सिमडेगा

मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे की हुबहू और सच्ची प्रतिलिपि है।

सहो मो० सलीम 29-03-05

सही लेख्यकारी